नागालैंड पल्प एण्ड पेपर कम्पनी लिमिटेड
पेपरनगर, तुली, मोकोकचुंग, नागालैंड |

वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान के राजभाषा अनुभाग की उपलब्धियां:

केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के तहत् राजभाषा हिंदी का प्रयोग, प्रेरणा, प्रोत्साहन एवम् सद्भावना बढाया जाना है| इसी क्रम में अप्रैल 2014. से विशेषकर हिंदी में हस्ताक्षर स्वर, व्यंजन और मात्राओं को माध्यम बनाकर संस्थान के सभी विभागों में प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है| इस योजना से संस्थान के सभी विभागों के कार्मिकों को इसमें शामिल होने का अवसर मिलता है|

चूँकि हमारा संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन की द्रष्टि से "ग" क्षेत्र के अन्तर्गत आता है| अतः यहाँ राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अनुपालन में प्रगति लाने हेतु धारा 3 (3) के अन्तर्गत आने वाले प्रपत्रों को द्विभाषीय बनाने का यथासंभव प्रयास किया जा रहा है|

इस योजना के तहत् राजभाषा अनुभाग द्वारा संस्थान के वरिष्ठ अधिकारीयों को एस.एम.एस. द्वारा अधिक से अधिक हिन्दी में काम करने के लिए प्रोत्साहित/प्रचारित किया जाता है|

उल्लेखनीय है कि, संस्थान के कर्मचारियों के हिन्दी एवं अंग्रेजी के प्रति शब्दज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य के तहत् निगम मुख्यालय द्वारा प्रेषित "आज का शब्द योजना के अन्तर्गत प्रतिदिन एक शब्द का अंग्रेजी से हिन्दी रुपान्तरण संस्थान के प्रवेशद्वार पर स्थित श्यामपट्ट पर अंकित किया जाता है| इस प्रयास से संस्थान के कर्मचारियों के (हिन्दी एवं अंग्रेजी) शब्द में आश्चर्यजनक लाभ हुआ है |

राजभाषा कार्यालय द्वारा प्रत्येक विभाग को अंग्रेजी से हिन्दी में रूपान्तरण करते हुए कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली एक सूची भी उपलब्ध करवाई जाती है| ताकि, अधिकारीयों को फाइलों पर टिप्पणियां लिखने में सुगमता हो सके|

राजभाषा अधिनियम 1963. के अनुपालन में प्रगति लाने के उद्देश्य के मुद्देनजर संस्थान के कार्यालय आदेश अधिकांशतः द्विभाषीय रूप में जारी किये जा रहे हैं| साथ ही न केवल दैनिक रूप से उपयोग में आने वाले प्रपत्र जैसे कि, अवकाश आवेदनपत्र, चिकित्सादावापत्र, वाहनमांगपत्र, इत्यादि प्रपत्रों को द्विभाषी किया गया है| अपितु चिकित्सक का औषधिनुस्खा, रोग एवं आरोग्य प्रमाणपत्र इत्यादि को भी द्विभाषीय कर दिया गया है| इस तरह वर्तमान संस्थान के अनुभाग द्वारा एक प्रकार का द्विभाषीय अभियान चलाया जा रहा है|

उल्लेखनीय है कि, पूर्व वर्षों की भांति वर्ष सम्पूर्ण सितम्बर माह 2014. को "राजभाषामाह" के रूप में मनाया गया| इसके दौरान संस्थान के कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अनेक कार्यशालाओं के माध्यम से वर्णमाला, स्वर, व्यंजन, वाक्यशुद्धि, बिना मात्रा के शब्दों का अभ्यास, अंग्रेजी भाषा के शब्दों का हिंदी रुपान्तरण एवं क्षेत्रीय भाषा के शब्दों के हिन्दी रूपान्तरण पर विशेष बल दिया गया|

इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन के अन्तर्गत संस्थान के कार्मिकों के अलावा केन्द्रीय विद्यालय तुली, जॉन स्कूल जुडीकोंग टाउन के विद्यार्थियों नें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, जिसमें हिन्दी गायन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवम् चित्रांकन प्रतियोगिता, आदि प्रमुख हैं|

दिनांकः 30.09.2014. को संस्थान के मानव संसाधन विकास भवन में "राजभाषामाह" समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ श्री कुमुद तालुकदार वरिष्ठ प्रबन्धक (विद्युत्) के स्वागत भाषण के साथ हुआ| समारोह की अध्यक्षता मुख्य अधिशासी अधिकारी श्री मोहन झा ने की | उपस्थित जन-समुदाय को सम्बोधित करते हुए श्री झा ने कहा कि हिन्दी भाषा न केवल हिंदुस्तान की भाषा रह गई है, अपितु यह अभी विश्व स्तर की भाषा बन

चुकी है| समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री बैरिस्टर पाण्डेय (प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय तुली) ने हिन्दी भाषा के अधिकारिक प्रयोग पर विशेष बल दिया|

अन्त में श्री सीताराम गुर्जर (राजभाषा अनुभाग) ने वर्ष 2014. के अन्तर्गत संस्थान के राजभाषा अनुभाग की उपलब्धियां प्रस्तुत की|

अध्यक्ष महोदय एवं श्री नब कुमार घोष महा प्रबन्धक (परियोजना) के कर कमलों द्वारा संस्थान के कर्मचारियों सहित केन्द्रीय विद्यालय तुली एवं जॉन स्कूल के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरष्कार प्रदान किये गए|

अन्त में श्री मिथिलेश कुमार तकनीशियन (सूचना एवं प्रोद्योगिकी) के साधुवाद के साथ समारोह सम्पन्न हुआ|

वर्तमान में राजभाषा अनुभाग द्वारा संस्थान के सभी वरिष्ठ अधिकारीयों के नाम, पदनाम, फोन नम्बर ई-मेल का पता विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों के नामपट्ट इत्यादि द्विभाषी कर दिए गए हैं|

कर्मचारियों के ज्ञानवर्द्धन एवं हिंदी भाषा के प्रति रूचि तथा जागरूकता लाने की द्रष्टि से समय-समय कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है |

(सीताराम गुर्जर)
राजभाषा अनुभाग

(मोहन झा)
मुख्य अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष
राजभाषा कार्यान्वयन समिति